डिजिटल सेवा अधिनियम (DSA)

सन्दर्भ:

- हाल ही में यूरोपीय संघ (ईयू) ने 19 प्लेटफार्मों के नामों की पुष्टि की है जो इसके ऐतिहासिक ऑनलाइन सामग्री नियमों के अधीन होंगे।

मुख्य विशेषताएं:

- Google की मूल वर्णमाला की पांच सहायक कंपनियां, दो मेटा यूनिट, दो Microsoft की , Apple का AppStore, Twitter, और अलीबाबा का अलीएक्सप्रेस उन संस्थाओं में से हैं जिनके नामों की EU ने पुष्टि की है।
- डीएसए के तहत अधिसूचित नियमों का लक्ष्य है:
  - यूरोपीय संघ के सोशल मीडिया और ई-कॉमर्स नियमों की ओवरहालिंग।
  - जिस तरह से बड़े प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ता सामग्री को मॉडरेट करते हैं, उसे कड़ाई से विनियमित किया जाता है।
- बिचौलिए - Google, मेटा, ट्विटर, और यूट्यूब जैसे बड़े प्लेटफॉर्म।

विशेषताएँ :

- अवैध या हानिकारक समझी जाने वाली सामग्री को हटाने के लिए नई प्रक्रियाएं।
- उपयोगकर्ता प्लेटफार्मों द्वारा लिए गए निर्णयों को चुनौती दे सकते हैं और अदालत के बाहर समाधान की मांग कर सकते हैं।
- वेरी लार्ज ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म' (वीएलओपी) और 'वेरी लार्ज ऑनलाइन सर्च इंजन' (वीएलओएसई) अर्थात वह प्लेटफॉर्म जिनके यूरोपीय संघ में 45 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ता हैं, की अधिक कठोर आवश्यकताएं होंगी।
- यूरोपीय आयोग द्वारा प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण।
- एल्गोरिदम के काम करने पर अधिक पारदर्शिता।
- विज्ञापनों के लिए स्पष्ट पहचानकर्ता और उनके लिए भुगतान देय का नाम।

महत्व :

- यह ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं और उनके अधिकारों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करेगा।
- यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के लिए एक शक्तिशाली पारदर्शिता और जवाबदेही ढांचा स्थापित करेगा।
- यह पूरे यूरोपीय संघ में एक एकल, समान ढांचा प्रदान करेगा।

भारत के ऑनलाइन कानून:

- भारत ने सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 (आईटी नियम) के तहत फरवरी 2021 में सोशल मीडिया नियमों में व्यापक बदलावों को अधिसूचित किया था।
- विशेषताएँ :
  - कानून प्रवर्तन अनुरोधों और उपयोगकर्ता शिकायतों को संभालने के लिए प्रमुख कर्मियों की नियुक्ति करना।

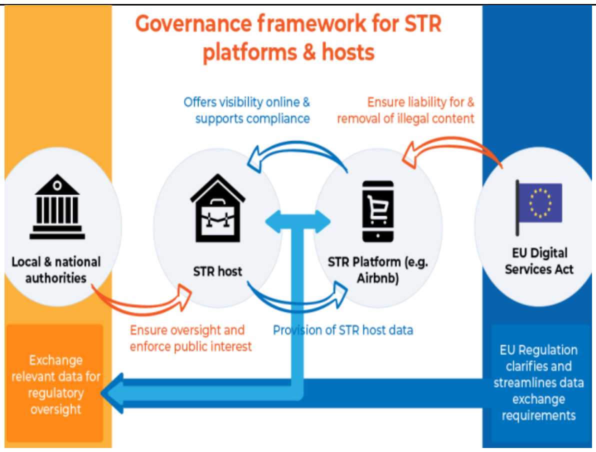

- कुछ शर्तों के तहत अपने प्लेटफॉर्म पर सूचना के पहले प्रवर्तक की पहचान को सक्षम करना।
- कुछ प्रकार की सामग्री की पहचान करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास के आधार पर प्रौद्योगिकी-आधारित उपायों को लागू करना।

- आईटी मंत्रालय ने सरकार समर्थित शिकायत अपील समिति बनाकर एक विवादास्पद उपाय अधिसूचित किया।
- इसके पास बड़े तकनीकी प्लेटफॉर्म द्वारा लिए गए कंटेंट मॉडरेशन निर्णयों की समीक्षा करने और उन्हें रद्द करने का अधिकार होगा।

रामानुजाचार्य

सन्दर्भ:

- हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री ने रामानुजाचार्य को उनकी 1006 वीं जयंती पर याद किया।

मुख्य विशेषताएं:

- श्री रामानुजाचार्य का जन्म 1017 में श्री पेरंबुदूर (तमिलनाडु) में हुआ था।
- वह हिंदू धर्म में श्री वैष्णववाद परंपरा के सबसे महत्वपूर्ण प्रतिपादकों में से एक थे।
- वे वेदांत की एक उपशाखा विशिष्टाद्वैत के प्रमुख प्रस्तावक के रूप में प्रसिद्ध हैं।
- विशिष्टाद्वैत (योग्य गैर-द्वैतवाद) - उन्होंने तर्क दिया कि ब्रह्म परम वास्तविकता है, लेकिन यह ब्रह्मांड भी वास्तविक है और ब्रह्म की अभिव्यक्ति है।
- अद्वैत वेदांत (गैर-द्वैतवाद) - परम वास्तविकता ब्रह्म है और ब्रह्मांड एक भ्रम (माया) है।
- इन्होंने परमात्मा से मिलन के लिए भक्ति पर बल दिया।
- इन्हें इलया पेरुमल भी कहा जाता था, जिसका अर्थ है दीप्तिमान।
- इन्होंने संस्कृत में ब्रह्म सूत्र और भगवद गीता पर भास्य जैसे प्रभावशाली ग्रंथ लिखे।
- भक्ति आंदोलन श्री रामानुजाचार्य की भक्तिवाद की दार्शनिक शिक्षाओं से बहुत प्रभावित था।
- इन्होंने जातिवाद और सामाजिक पदानुक्रम के खिलाफ काम किया।

एको-सेंसिटिव जोन (ESZ)

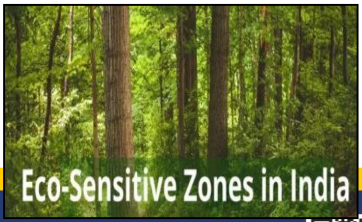

सन्दर्भ:

- हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने देश भर में संरक्षित वनों, राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभ्यारण्यों के आसपास कम से कम
  एक किलोमीटर के अनिवार्य एको-सेंसिटिव जोन (ESZ) पर अपने फैसले को संशोधित किया है।

फैसले की मुख्य विशेषताएं:

- न्यायालय ने कहा है कि एको-सेंसिटिव जोन पूरे देश में एक समान नहीं हो सकता है और इसे "संरक्षित विशिष्ट क्षेत्र" होना चाहिए।
- केंद्र सरकार और केरल सहित कई राज्यों ने जून 2022 के इस फैसले में संशोधन की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था, उनका कहना था कि इस न्यायिक निर्देश ने जंगलों की परिधि के सैकड़ों गांवों को प्रभावित किया है।
- न्यायालय ने सहमति व्यक्त की कि एको-सेंसिटिव जोन घोषित करने का उद्देश्य नागरिकों की दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में बाधा डालना नहीं है।
- अदालत ने कहा कि जून 2022 के फैसले का सख्ती से पालन करने में फायदे के बजाय नुकसान अधिक होगा, क्योंकि मानव-पशु संघर्ष घटने के बजाय बढ़ेगा।
- हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य के भीतर और ऐसे राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से एक किलोमीटर के क्षेत्र के भीतर खनन की अनुमति नहीं होगी।

इको-सेंसिटिव जोन (ESZ) क्या हैं?

- ESZ को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा घोषित किया जाता है।
- इन्हें राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना (2002-

- राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभ्यारण्यों की सीमाओं के 10 किमी को इको-फ्रेजाइल जोन या ESZ के रूप में अधिसूचित किया जाना है।
- इस 10 किलोमीटर के नियम को सख्ती से लागू नहीं किया चाहिए।

ESZs में किन गतिविधियों की अनुमति और निषेध है?

- ESZ में प्रतिबंधित गतिविधियाँ:
  - वाणिज्यिक खनन
  - सॉमिल - ये धूल पैदा करते हैं जो जैव विविधता को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
  - लकड़ी आदि का व्यावसायिक उपयोग।
- ESZ में विनियमित गतिविधियां:
  - पेड़ों की कटाई।
  - होटल और रिसॉर्ट की स्थापना,
  - प्राकृतिक जल का व्यावसायिक उपयोग,
  - विद्युत केबलों का निर्माण,
  - कृषि प्रणाली में भारी बदलाव
  - भारी तकनीक अपनाना,
  - कीटनाशकों का उपयोग
  - सड़कों का चौड़ीकरण।
- अनुमत गतिविधियां :
  - चल रही कृषि या बागवानी प्रथाओं,
  - वर्षा जल संचयन
  - जैविक खेती।

2016) में शामिल किया गया था।	

मनामदुराई मिट्टी के बर्तन

सन्दर्भ:

- हाल ही में मनमदुरई मिट्टी के बर्तनों को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग मिला है।

मुख्य विशेषताएं: • शिवगंगा जिला मानामदुराई मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए जाना जाता है। **बर्तन बनाना :** • कीचड़, मिट्टी और ताप का सही अनुपात इस उत्पाद को बहुत मजबूत बनाता है। • इन बर्तनों को बनाने के लिए मुख्य कच्चा माल मिट्टी और पानी है। • इन बर्तनों को बनाने के लिए नेदुनकुलम, नाथपुरक्की, सुंदरनदप्पु, सेकालथुर जैसे जल निकायों से एक अनूठी प्रकार की मिट्टी प्राप्त की जाती है।	• मनमदुरई मिट्टी के बर्तनों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मिट्टी वैगई नदी में पाई जाती है। • इसे छानने से मिट्टी के कण अलग हो जाते हैं। • इसके घोल को रेत के साथ मिलाया जाता है और गुणवत्ता में सुधार के लिए मिश्रण में सीसा और ग्रेफाइट भी मिलाया जाता है। • यह मिश्रण अब कैल्शियम लाइम, ऐश, रेड लेड, सोडियम सिलिकेट, मैंगनीज, आयरन और प्लास्टिसाइजिंग से भरपूर है। मटके को भी अलग-अलग रंगों में रंगा जाता है।

पीएम-श्री योजना (PM-SHRI Scheme)

सन्दर्भ:

- 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 6,448 स्कूलों को प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (PM-SHRI) योजना के तहत उन्नयन के लिए चुना गया है, जिसमें अधिकतम संस्थान उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र से हैं।

PM-SHRI के बारे में :
• केन्द्रीय कैबिनेट ने 7 सितंबर 2022 को PM SHRI नाम से एक नई केंद्र प्रायोजित योजना को मंजूरी दी।
• इस योजना के तहत केंद्र सरकार, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित स्कूलों में से 14,597 मौजूदा स्कूलों का
	• पात्रता :
	  ○ सभी प्राथमिक विद्यालय (कक्षा 1-5 या 1-8)।
	  ○ माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 1-10 या 6-10)।
	  ○ वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 1-12 या 6-12)

चयन किया जाएगा।

- केंद्र सरकार को उम्मीद है कि 18 लाख छात्र इस योजना से सीधे लाभान्वित होंगे।

योजना की मुख्य विशेषताएं :

- NEP 2020 के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए स्कूलों को मॉडल संस्थानों या पीएम श्री स्कूलों के रूप में पुनर्विकास किया जाएगा।
- ये स्कूल छात्रों के संज्ञानात्मक विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान करेंगे और 21वीं सदी के प्रमुख कौशल से लैस व्यक्ति बनाने का प्रयास करेंगे।
- ये स्कूल लैब, स्मार्ट क्लासरूम, लाइब्रेरी, खेल उपकरण, आर्ट रूम आदि सहित आधुनिक बुनियादी ढांचे से लैस होंगे।
- इन्हें जल संरक्षण, अपशिष्ट पुनर्चक्रण, ऊर्जा-कुशल बुनियादी ढांचे और पाठ्यक्रम में जैविक जीवन शैली के एकीकरण के साथ हरित विद्यालयों के रूप में भी विकसित किया जाएगा।

वित्त पोषण और कार्यान्वयन:

- इस परियोजना को 27,360 करोड़ रुपये की कुल लागत के साथ लागू किया जाएगा, जिसमें 2022-23 से 2026-27 तक पांच साल के लिए केंद्र सरकार 18,128 करोड़ देगी।
- राज्य या केंद्र शासित प्रदेश "एनईपी को पूरी तरह से लागू करने" पर सहमति जताते हुए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगे।
    - इन्हें केंद्र या राज्य सरकार व केंद्रशासित प्रदेश या स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित किया जाना चाहिए और उनके पास एक यूडीआईएसई+ (यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन फॉर एजुकेशन पुस) कोड होना चाहिए।

विद्यालय चयन प्रक्रिया :

- न्यूनतम बेंचमार्क पूरा करने वाले स्कूलों (यूडीआईएसई+ डेटा के विश्लेषण द्वारा) को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा।
- इसमें अंतिम चरण चुनौती आधारित होगा।
- राज्यों, केंद्रीय विद्यालयों या जवाहर नवोदय विद्यालयों की टीमें दावों का निरीक्षण और सत्यापन करने के लिए आवेदक संस्थान का दौरा करेंगी।
- इसके बाद ये शिक्षा मंत्रालय के पास चयनित स्कूलों की सूची भेजेंगे।
- शिक्षा मंत्रालय एक ब्लॉक या शहरी स्थानीय निकाय से अधिकतम दो स्कूलों (एक प्राथमिक और दूसरा या तो माध्यमिक या वरिष्ठ माध्यमिक) का चयन करेगा।
- **यूडीआईएसई:** यह एक ऐसा मंच है जो एक ऑनलाइन डेटा संग्रह फॉर्म के माध्यम से एक स्कूल की प्रोफाइल, भौतिक बुनियादी ढांचे, शिक्षकों, नामांकन, परिणाम आदि के बारे में जानकारी एकत्र करता है जिसमें कई प्रकार के प्रदर्शन की जानकारी होती है।

संक्षिप्तसुर्खियां

ताम जा (Taam	सन्दर्भ:

Ja)

- हाल ही में वैज्ञानिकों ने मेक्सिको में युकाटन प्रायद्वीप के तट पर एक बड़े सिंकहोल की खोज की है।

मुख्य विशेषताएं:

- यह विशाल ब्लू होल लगभग 900 फीट गहरा है और वैज्ञानिकों ने इसे ग्रह पर पाया जाने वाला दूसरा सबसे गहरा ब्लू होल कहा है।
- कैरेबियन सागर और युकाटन प्रायद्वीप सहित दुनिया भर के तटीय कार्स्ट में पाए जाने वाले ब्लू होल में अद्वितीय वातावरण होते हैं।
- चेतुमल खाड़ी में स्थित 13,660 वर्ग मीटर के विशाल क्षेत्र में फैली पानी के नीचे की गुफा, जिसका नाम ताम जा रखा गया है, इसका अर्थ मायन में "गहरा पानी" होता है।
- जलमग्न ब्लू होल की सतह पर लगभग गोलाकार आकार का होता है जो बायोफिल्म, तलछट, चूना पत्थर और जिप्सम लेजेज से ढकी एक बड़ी शंक्वाकार संरचना बनाता है।
- यह चेतुमल खाड़ी के मध्य भाग में पाया गया था, जहाँ जलमग्न तटीय कार्स्टिक सिंकहोल्स को स्थानीय रूप से 'पोज़स' नाम दिया गया है।
- खड़ी और लगभग ऊर्ध्वाधर ढलानों के विकास से पहले ब्लू होल की पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी किनारों के पास, पानी की गहराई में असंतुलित श्रृंखला का पता चला था।
- ब्लू होल में खारापन और तापमान में भिन्नता होती है।

यूरिक एसिड

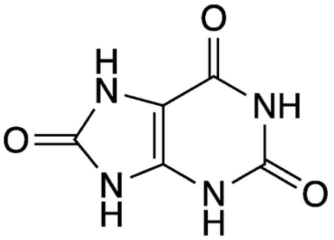

सन्दर्भ:

- जैव प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएएसएसटी) के शोधकर्ताओं ने एक बायोइलेक्ट्रॉनिक उपकरण विकसित किया है जो यूरिक एसिड का पता लगा सकता है।

मुख्य विशेषताएं:

- इस उपकरण का उपयोग पहनने योग्य सेंसर और पॉइंट-ऑफ-केयर नैदानिक परीक्षण (डायग्नोस्टिक्स) जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए किया जा सकता है।
- यूरिक एसिड सबसे महत्वपूर्ण एंटीऑक्सिडेंट में से एक है जो रक्तचाप की स्थिरता को बनाए रखता है और जीवित प्राणियों में ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करता है।
- यह प्यूरीन के टूटने के दौरान एक अपशिष्ट उत्पाद के रूप में उत्पन्न होता है, जिनमे समुद्री भोजन, मांस और शराब सहित कई खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थ शामिल हैं।
- यह कार्बन, नाइट्रोजन, ऑक्सीजन और हाइड्रोजन से बना एक विषमचक्रीय यौगिक

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

	है जो मानव शरीर, मुख्य रूप से यकृत में अपशिष्ट उत्पाद के रूप में उत्पन्न होता है। • रक्त में यूरिक एसिड के उच्च स्तर से हाइपरयुरिसीमिया नामक एक चिकित्सा स्थिति हो सकती है, जो गाउट, गुर्दे की पथरी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है। • यूरिक एसिड के स्तर से संबंधित विभिन्न चिकित्सीय स्थितियों का शीघ्र पता लगाने और उपचार के लिए इस उपकरण के विकास के महत्वपूर्ण प्रभाव हो सकते हैं। • यूरिक एसिड के स्तर से संबंधित विभिन्न चिकित्सीय स्थितियों का शीघ्र पता लगाने और उपचार के लिए इस उपकरण के विकास के महत्वपूर्ण प्रभाव हो सकते हैं।
द बिग कैच-अप	**सन्दर्भ:** • "द बिग कैच-अप" नामक एक वैश्विक पहल को WHO के साथ अन्य स्वास्थ्य भागीदारों, यूनिसेफ, गावी, द वैक्सीन एलायंस और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। **मुख्य विशेषताएं:** • इसका उद्देश्य दुनिया भर में COVID-19 महामारी के कारण बच्चों के टीकाकरण में हुई गिरावट को रोकना है। • यह पहल विशेष रूप से भारत सहित 20 देशों पर ध्यान केंद्रित करेगी, जहां 2021 में टीकाकरण से चूकने वाले अधिकांश बच्चे रहते हैं। • "द बिग कैच-अप" स्वास्थ्य देखभाल कार्यबल को मजबूत करने के साथ ही स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार करेगा व टीकों की मांग का निर्माण और टीकाकरण को बहाल करने में आने वाली बाधाओं से निपटेगा।
श्री सीताराम स्वामी मंदिर 	**सन्दर्भ:** • हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री ने केरल के त्रिशूर जिले में सीतारामस्वामी मंदिर में 55 फीट ऊंची एक हनुमान प्रतिमा का अनावरण किया, जो केरल में स्थापित होने वाली सबसे बड़ी प्रतिमा है। **मुख्य विशेषताएं:** • मंदिर परिसर में भगवान सीताराम, भगवान अयप्पा और भगवान शिव की प्रतिमा हैं। • यह मंदिर त्रिशूर पूरम (जो वडक्कुनाथन मंदिर में मनाया जाने वाला एक वार्षिक मंदिर उत्सव है) के लिए प्रसिद्ध है जिसे केरल में "सभी पूरमों की माँ" माना जाता

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

	है।
सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टीगेशन ऑफिस (SFIO) सत्यमेव जयते SFIO Serious Fraud Investigation Office	**सन्दर्भ:** • हाल ही में कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (MCA) के अनुसार सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टीगेशन ऑफिस (SFIO) ने FY23 में अपनी क्षमता में वृद्धि करते हुए 23 जांच पूरी की, जो पिछले वर्ष 13 थी। **सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टीगेशन ऑफिस के बारे में:** • यह गंभीर वित्तीय धोखाधड़ी की जांच करने के लिए कॉर्पोरेट मंत्रालय द्वारा स्थापित भारत में एक बहु-विषयक संगठन है। • एसएफआईओ कॉर्पोरेट धोखाधड़ी और सफेदपोश अपराधों के उन मामलों की जांच करता है जो नियामक निकायों द्वारा किए जाने वाले नियमित निरीक्षण और जांच के दायरे से बाहर हैं। • एसएफआईओ के पास गवाहों को बुलाने और उनकी जांच करने, दस्तावेज और रिकॉर्ड पेश करने की मांग करने और तलाशी और जब्ती करने की शक्ति है। • एसएफआईओ वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों की जांच और मुकदमा चलाने के लिए अन्य नियामक एजेंसियों और कानून प्रवर्तन निकायों के साथ भी सहयोग करता है। • SFIO कॉर्पोरेट क्षेत्र की अखंडता को बनाए रखने और निवेशकों और हितधारकों के हितों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare